Department of Sociology
Shri J.N.M.P.G. College Lucknow
M.A. Sem.-II , Paper II
Methods and Techniques of Sociological Research
Dr. Sunil Pati Tripathi
Assistant Professor

वंशावली शोध पद्धति (Geneology Research Method)

1. अनुसंधान की विभिन्न प्रविधियों में से एक प्रविधि - वंशावली तथ्यों के संग्रहण की एक महत्त्वपूर्ण पद्धति है।
2. इस प्रविधि के प्रवर्तक **डब्ल्यू एच आर रिवर्स** को माना जाता है।
3. वंशावली प्रविधि के माध्यम से शोधकर्ता अध्ययन की इकाइयों को सामाजिक संरचना के साथ-साथ उनकी संबंधित संस्थाओं की भी विस्तृत सूचनाएं संकलित कर सकता है।
4. इस प्रविधि का प्रयोग समाजशास्त्रियों तथा मानवशास्त्रियों द्वारा किया जाता है।
5. यह पद्धति परिवार तथा नातेदारी के अध्ययनों में अत्यंत उपयोगी और प्रभावशाली सिद्ध हुई है।

रिवर्स के अनुसार -

"वंशावली प्रविधि अमूर्त समस्याओं का अन्वेषण विशुद्ध वास्तविक आधार पर संभव बना देती है। इसके प्रयोग से व्यक्तियों के जीवन से संबंधित नियमों, जिनका निर्माण संभवत उन्होंने स्वयं नहीं किया है तथा जो निश्चित रूप से अधिक जटिल सभ्यता द्वारा प्रशिक्षित मस्तिष्क की दृष्टि से स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित नहीं है, का निर्माण भी किया जा सकता है।"

वंशावली पद्धति द्वारा अध्ययन एक विशेष प्रकार की सारणी टेबल बनाकर किया जाता है। वंशावली सारणी का प्रयोग सामाजिक संरचना, गोत्र, मातृ-पितृ वंशीय परिवारों के अध्ययन के लिए किया जाता है।

सारणी की मुख्य विशेषताएं

1. पुरुषों का नाम बड़े अक्षर से और स्त्रियों का नाम छोटे अक्षर से लिखा जाता है।
2. सामाजिक विभाजन के लिए लाल रंग अथवा नीले रंग का प्रयोग किया जाता है।
3. विवाह संबंध दिखाने हेतु पति का नाम पत्नी के नाम की बाईं तरफ लिखी जाती है।
4. वर्तमान में वंशावली पद्धति में अनेक प्रतीकों का प्रयोग वृहद स्तर पर किया जाने लगा है जैसे-

पुरूष =

महिला =

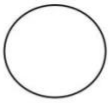

अपरिचित लिंग

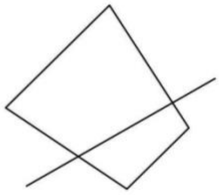

बचपन में मृत्यु

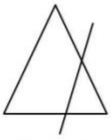

वंशावली में गोत्र की स्पष्टत के लिए सामान्यतः एक ही गोत्र के व्यक्तियों को कुछ प्रतीक के माध्यम से बताते हैं जिसमें सहोदर सम्बन्धों को लम्बवत् (Vertical) वंश रेखा में बताया गया है।

सहोदर

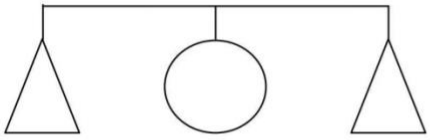

जुड़वां सहोदर

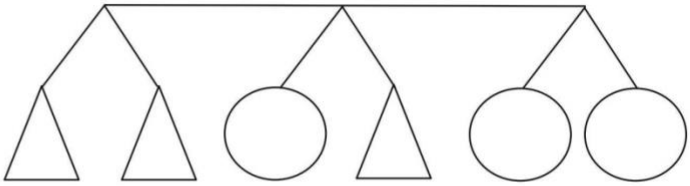

विवाह सम्बन्ध के लिए प्रतीक

या

अवैध लैंगिक सम्बन्ध के लिए प्रतीक

वैध सन्तान के लिए प्रतीक

या

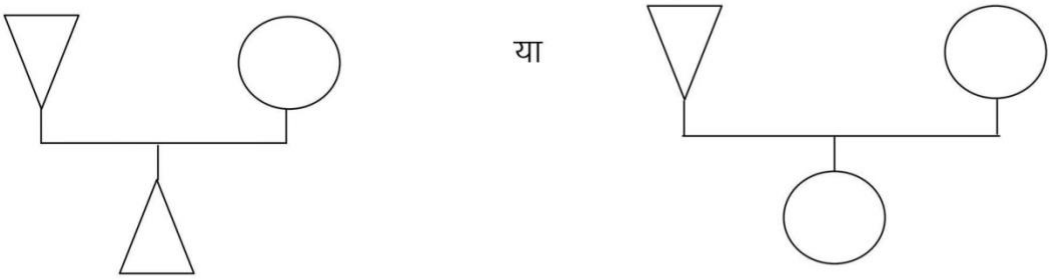

अवैध सन्तान के लिए प्रतीक

या

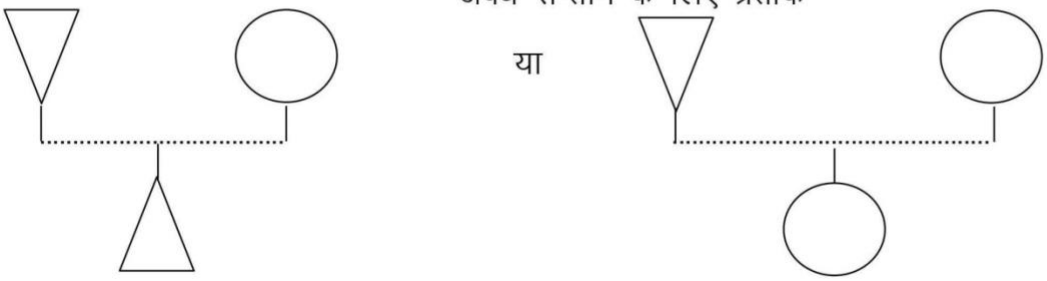

वंशावली प्रविधि का महत्व (Importance of Geneology Method)

1. भाषा का ज्ञान ना होने पर भी सूचनाओं का एकत्रीकरण
2. नातेदारी व्यवस्था के अध्ययन में वर्गीकरण में सहायक है।
3. इससे हम वैवाहिक नियमों का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।
4. नातेदारी में प्रचलित शब्दावली क्या है और इसका महत्व क्या है, पता चलता है।